Total No. of Printed Pages – 4

CCSME21 806805

PAPER / पत्र – II

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE

खोरठा भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 07

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र **दो** भाग में विभक्त है । भाग 'अ' (A) में कुल **4** प्रश्न (प्रश्न संख्या **1** से **4**) एवं भाग 'ब' (B) में कुल **4** प्रश्न (प्रश्न संख्या **5** से **8**) है ।

(ii) प्रश्न संख्या **1** एवं प्रश्न संख्या **5** सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है ।

(iii) परीक्षार्थियों को कुल **6** प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' (A) एवं 'ब' (B) से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **1** (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा एवं कुल **चार** प्रश्नों का उत्तर देना होगा ।

(iv) अनिवार्य प्रश्न संख्या **1** एवं **5** में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न **7** अंक निर्धारित है ।

(v) प्रश्न संख्या – **1** एवं **5** के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का **20** अंक प्रति प्रश्न है ।

(vi) उत्तर अपनी मातृभाषा "खोरठा" में ही लिखें ।

निर्देश :

"खोरठा भाषा" कुल छव **(6)** गो सवालेक जवाब लिखेक हय । सवाल संख्या **1 (एक)** आर **5 (पाँच)** जुनजुनार (अनिवार्य) हइ । एकर अलावे दुइयो खाँधा (ग्रुप) से कम से कम **एक-एक** सवालेक उत्तर दे के चाइर **(4)** सवालेक उत्तर दाय ।
उत्तर खोरठें दाय (लिखा) ।

अंक

भाग 'अ'

खाँधा – अ

1. हेठें उखरवल सात सवाल में पाँच सवालेक उत्तर दाय : **(5 × 7 = 35)**
   (क) खोरठा भाषाक विकास के कथा संक्षेप में लिखा ।
   (ख) खोरठा भाषा के मानकीकरण पर नोट लिखा ।

Marks
अंक

(ग) खोरठा भाषा के विदवान गुला के मोताविक खोरठा साहित्य के काल विभाजन करा ।

(घ) खोरठा गीतेक विकास में सुकुमारजी के जोगदान बतावा ।

(ङ) खोरठाञ् "वचन" माने कि हेवे हे ? एक बचन से बहुवचन बनवे के नियम के पटतइर देके बतावा ।

(च) बिसेसन के माने बताके ओकर भेद के पटतइर देके लिखा ।

(छ) संज्ञा के माने बताके ओकर भेद के पटतइर देके लिखा ।

2. (क) लोकगीत लोक संसकिरतिक बाहक हे, खोरठा लोकगीतेक लेताइरें फरीछ करा । **10**

(ख) खोरठाक छेतरीय रुप के लिखेक परनदिया खोरठाक विशेषता बतावा । **10**

3. (क) खोरठाक प्राचीन कालेक काइब परविरति पर एक नोट लिखा । **10**

(ख) खोरठा बिहागीत में बेटी-विदाई गीत पत्थर हिरदय के पिघलावेक खेमता राखे हे, पटतइर देके बखान करा । **10**

4. (क) उपन्यास के माने बता के कोनो एक खोरठा उपन्यास के जइर भाव बतावा । **10**

(ख) खोरठा शिष्ट कहनीक विकास जातरा के बारें बतावा । **10**

भाग 'ब'

खाँधा – ब

5. हेठेंक उखरवल सात सवाल में पाँच सवालेक उत्तर दाय । **(5 × 7 = 35)**

(क) खोरठा 'शिष्ट' साहितेक विकास में श्री निवास पानुरी जी के जोगदान के खाँटे-खुटें बतावा ।

(ख) खोरठा भासा साहितेक आन्दोलन में ए.के. झाजी के जोगदान के बखान करा ।

(ग) खोरठा शब्द चित्र के माने बता के ओकर पटतइर दाय ।

(घ) आधुनिक खोरठा साहित के कोनों एक साहितकार के जीवन परिचय ओकर कृति पर नोट लिखा ।

(ङ) खोरठाञ् मुहावरा आर लोकोक्ति कि कहल जा है ? पाँच-पाँच गो मुहावरा आर लोकोक्ति के पटतइर दाय ।

(च) शिवनाथ प्रमाणिक के परिचय खोरठा साहित्यकार के रुपें खाँटे-खुटें दाय ।

(छ) उपसरग आर परतिअइ के माने बता के दुइयों में कि अन्तर हे पटतइर दइ के बतावा ।

Marks
अंक

6. हेठें दियल कोनो इ विसइ पर छोट खाँट निबंध लिखा : $10 \times 2 = 20$

(क) करमा परब ।

(ख) बेटी बचाव बेटी पढ़ाव ।

(ग) बोनेक महातम ।

(घ) झारखण्ड में भासा आन्दोलन ।

7. (क) हेठें दियल गइदेफ उचित सिरसक देके खाँट-खुँट (संक्षेपण) करा : 10

जइसे-जइसे हियाँक लोकेक भीतर स्वाभीमान जागतइ, आपन भासाक प्रति दोसर केउ एकर माइनता दिए ले बाइध हता । भांभसें खोरठा देसेक नकसाइं एगो जोरगर भासाक रुपें आपन पहचान बनवत । दरकार हइ एकर रचनाकार के बरतनी आर मानक रुप के स्थिर कइर बेस से बेस, बेसी किताब छपवेक । ई छेतरेक नेता आर पुँजीपति सबके ई भासाक महत बुझवेक दरकार आर एकर पहिल जिम्मेवारी हइ खोरठा भासी के, ऊ खोरठा भासी रुपें आपन परिचय दियइते गरब अनुभव करता, तखन बाकी समइसाक निदान अपने-आप भइ जितइ ।

(ख) खोरठें उलथा (अनुवाद) करा : 10

मौलिक रूप से खोरठा क्षेत्र की लोक संस्कृति समतावादी है, जिसे मानववादी भी कहते हैं । इसके समतावादी होने के अनेक प्रमाण इनके जीवन पद्धति एवं समाज में उपलब्ध है, जिसे देखा, परखा एवं अनुकरण किया जा सकता है । इनकी सहिया प्रथा (मित्रता) को ही लें । भिन्न-भिन्न जाति के दो पुरुष या दो महिलाएँ सहियारी करती हैं । दूसरा प्रमाण एक ही गाँव के रहने वाले भिन्न-भिन्न जाति के लोग उनके उपनाम यथा पंडितजी, ठाकुरजी या दासजी कहकर संबोधित नहीं करते बल्कि रिस्ता से यथा चाचा-चाची, दादा-दादी अथवा भाई-बहन कहकर पुकारते हैं ।

8. (क) हेठें दिअल गेल "अनुच्छेद" पइढ़ के तीनों सवालेक जबाब दाय : 10

ई छेतरेक नाम झारखण्ड कहल गेल हे । मेनेक धरतीक अइसन खँड बा टुकरा जहाँ बोल – झार मुइखं रुपें पावा हे । झारखण्ड नाम कोन्हों नावा नाम, बिलकुन एकर बरनन बौद्ध साहितें आर वेद पुरानों में मिल-ऽ हे । ई छेतर हे – मइध प्रदेश, बंगाल, बिहार, उड़िसा जे सटल आर बोन – पहार से छेकाइल जध - ऽ जहाँ भारतेक सोबले बेसी अनुसूचित जाइत, अनुसूचित जनजाइत आर कते-कते किसिम के पिछड़ी जाइत, सदान रह - ऽ हथ ।

Marks
अंक

सवाल :

(1) झारखण्ड के नाम कइसे धराइल हे ?

(2) झारखण्ड से सटल कोन-कोन राइज हे ?

(3) झारखण्ड के चरचा कोन साहिते पावाल जाहे ?

(ख) खोरठाअ् जातरा विरतांत के भरल जोगाड़ हे । पटतइर देके बतावा । 10